THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (e) No, Sir. The policy of the Government is not to raise any new regiment on the basis of caste, creed, religion or region.

भारत का परमाणु विस्फोट

1897. **श्री जनेश्वर मिश्र** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अमरीकी विदेश मंत्री ने इस आशय का एक वक्तव्य दिया है कि परमाणु विस्फोटों के परिणामस्वरूप न तो भारत की सुरक्षा स्थिति में कोई बदलाव आया है, न ही भारत ने न्यूक्लियर क्लब का एक सदस्य बनने की योग्यता हासिल की है ।

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत के परमाणु विस्फोटों की सत्यता के संबंध में वैज्ञानिकों के मन में अभी भी आशंकाएं हैं ; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस संबंध में आशंकाओं को दूर करने के लिये एक श्वेत-पत्र जारी करेगी ?

रक्षा मंत्री (श्री जार्ज फनाडीज : (क) सरकार ने इस संबंध में अमेरिका के सेक्रेटरी आफ स्टेट सहित वहां के प्रशासनिक पदाधिकारियों के वक्तव्यों पर समाचार पत्रों में छपी खबरें देखी हैं ।

(ख) जी ,नहीं । भारत द्वारा 11 मई, 1998 को परीक्षित प्रणालियों (डिवाइसिस) की कुल क्षमता को कम करके आंकने तथा उसके परिणामस्वरूप भारत द्वारा हाइड्रोजन बम का सफलतापूर्वक परीक्षण किये जाने के संबंध में संदेह व्यक्त करने की खबरें विदेशी समाचार पत्रों कभी-कभार छपती रही हैं । परमाणु ऊर्जा विभाग के कुछ विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा अभिव्यक्त इन संदेहों का खंडन करने के लिये पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाये हैं । यह भी उल्लेखनीय है कि अन्य विदेशी वैज्ञानिकों के अन्य वैज्ञानिक प्रकाशनों में 11 मई के परीक्षणों के बारे में हमारे द्वारा बताई गई कुल क्षमता की पुष्टि की गई है । हाल ही के वैज्ञानिक अनुसंधान पेपरों में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने कई अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल करके विस्तृत विश्लेषण किये हैं जो निर्णायक रूप से यह दर्शाते हैं कि 11 मई को पोखरण में किये गये विस्फोट से उत्पन्न कुल क्षमता लगभग 60 किलोटन है, जो परीक्षणों के तत्काल बाद विभिन्न प्रणालियों की कुल क्षमता संबंधी हमारी घोषणा के अनुरूप हैं । 11 मई को किये गये परीक्षणों में 15 किलोटन का एक फिशन डिवाइस, 45 किलोटन का एक थर्मोन्क्लियर डिवाइस (हाइड्रोजन बम) तथा एक सब-कलोट डिलवाइस (एक किलोटन से कम) शामिल हैं 13 मई को दो और सब-किलोटन प्रणालियों का परीक्षण किया गया था । 11 तथा 13 मई को परीक्षित सभी पांचों प्रणालियों भौतिकी, सामग्री विज्ञान; इंजीनियरी तथा इलैक्ट्रानिकी से संबंधित आज की जानकारी पर आधारित थीं ।

(ग) सरकार का मानना है कि इस संबंध में श्वेत पत्र की आवश्यकता नहीं है ।

Firing by pak troops during Defence Minister's visit

1898. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during his visit to Siachen Glacier on 30th April, 1998 the Pakistani troops indiscriminately opened fire on Indian post without any provocation during the inspection;

(b) the number of casualties Indian army suffered therein; and

(c) the efforts made to ensure that our troops posted there, are well equipped to retaliate the indiscriminate firing often taking place from across the Pak border?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c) Pak troops resorted to unprovoked firing on some of the posts on the Saltoro Range during Raksha Mantri's visit on 29 April 1998. Unprovoked firing along the borders of J&K (AGPL, Line of Control and IB in J&K) is a routine phenomenon and has been continuing over the years. However, no direct firing took place at the posts that Raksha Mantri visited. One of our soldiers was killed due to Pak fire in this sector on 29th April, 1998. Casualties on the Pak side are not known.

Our troops respond appropriatly and adequately to any unprovoked firing by Pakistan.

Security lapses in DHQ Security Zone

1899. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the number of security lapses taken place in Defence Headquarters Security Zone during the last five years, year-wise;

(b) the details of officers/officials found violating security instructions and the class to which they belong both civilians and service personnel;

(c) the details of actions taken against each person with present position of pending cases; and

(d) the details of steps taken to avoid recurrence of such incidents?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): The number of security violations noticed in the DHQ Security Zone during the last five years in indicated below:—

Year	Number
1994	160
1995	175
1996	158
1997	86
1998 (Upto 31-10-98)	39

In most of the above cases, the lapses were of trivial nature. About 4 per cent of the cases were of important nature.

The details of both Service and Civilian personnel found violating Security Instructions are shown in the table below:—

Year	Service Personnel	Civilian Personnel	
1994 *Commissioned Offrs:*		Gazetted	30
Wing Commander	8	Non Gazetted	79
Squadron Leader	4	(Peon to	
Group Captain	4	Asstts-o equv	
Lieutnent Commander	3	posts)	
Lieutnent Colonel	3		
Colonel	6	TOTAL	109
Commander	2		